आज अत्यन्त कठिन परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। वर्तमान स्थिति को यदि तत्काल नियन्त्रित नहीं किया गया तो बहुत बड़ी संख्या में हथकरघा उद्योग में लगे हुए लोगों को बेरोजगारी और भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि सूत और कैमिकल्स के वर्तमान मूल्यों को कम करे एवं उसकी व्यवस्था सरकारी सेल्स डिपो से की जाये। बुनकरों को बैंक से आसान शर्तों पर आवश्यकतानुसार कर्ज दिया जाए, जिस पर ब्याज की दर कम हो और बुनकरों से संबंधित सरकारी विभागों में बेरोजगार शिक्षित बुनकरों को सेवा करने का अवसर प्रदान किया जाए। सरकार को चाहिए कि इस दिशा में तत्काल प्रभावी कदम उठाए जिस से बुनकरों की समस्याओं का समाधान हो सके।

(vi) ALLEGED POLLUTION OF THE DAMODAR RIVER WATER

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, बिहार के छोटा नागपुर से होती बंगाल तक जाने वाली प्रमुख नदी दामोदर नदी है। बिहार के विद्युत परिषद् के पतरातू थर्मल पावर स्टेशन तथा केन्द्र सरकार ऊर्जा मंत्रालय के सेन्ट्रल कोल फिल्ड लिमिटेड द्वारा अपनी वाशरी के गंदे पानी को नदी में बहाकर दामोदर नदी के पीने के पानी को दूषित किया जा रहा है। अभी छोटा नागपुर में पांच वाशरी हैं गिदर्दी, स्वांग, करगली, दुगदा और चन्द्रपुरा। इस जल प्रदूषण से सैकड़ों मील में बसे हरिजन आदिवासी तथा अत्यन्त पिछड़े और गरीब लोग पीलिया रोग से ग्रस्त हो रहे हैं। लीवर तथा अन्य दूसरी बीमारियों का शिकार हो कर मर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, यह पानी है, जिस को मैं रोकूंगा।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please read.

श्री राम विलास पासवान : जानवरों ने भी भय के मारे इस दूषित पानी को पीना बंद कर दिया है। एक तो ऐसे ही छोटा नागपुर में स्वच्छ पेय जल का अभाव है दूसरे दामोदर का जल, जो गरीबों के लिए प्राण है, वह भी जहर के समान हो गया है। लाखों जन संख्या इस से प्रभावित हैं।

देश में जल प्रदूषण कानून के उपबंधों के अधीन किसी को भी नदियों का या अन्य स्रोतों का जल प्रदूषित करने का अधिकार नहीं है, परन्तु बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार इसे उल्लंघन कर पानी को दूषित कर गरीबों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है।

अत: सरकार लाखों गरीबों की जीवन रक्षा हेतु जल को और अधिक प्रदूषण होने से बचाए। इस जल प्रदूषण को रोकने हेतु ठोस कार्यवाही करे।

मैं आप की आज्ञा से इसे रख देता हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You may give it to the Minister.

(vii) ALLEGED ANNEXATION OF GOLAN HEIGHTS BY ISRAEL

श्री अटल बिहारी बाजपेयी (नई दिल्ली): उपाध्यक्ष महोदय, गोलान हाइट्स को जबरदस्ती हजम कर के इजरायल ने अपने आक्रमणात्मक रवैये का एक और प्रमाण दिया है। इजराइल का यह कार्य अन्तर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन, संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की गहरी अवमानना तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।